



विख्यात चित्रकार रैम्ब्रन्ट को अन्य समकालीन कलाकारों के विपरीत अपने जीवनकाल में ही असाधारण सफलता मिल गई थी। इस डच कलाकार की कलाकृतियों का केवल नीदरलैंड्स में बल्कि पूरे यूरोप में विख्यात थीं। उसके शिष्य भी 'डच गोल्डन एज' में काफी प्रभावशाली हुए। रैम्ब्रन्ट एक जानी मानी हस्ती थे, इसलिए 17 वीं सदी के इस कलाकार की अज्ञात एवं अतिदुर्लभ कृतियाँ मिलने से कला जगत में खलबली मच जाती है। क्रिस्टीज़ ऑक्शन हाउस में, पुराने महान कलाकारों के विशेषज्ञ, हैरी पैटिंगर को हाल ही में रैम्ब्रन्ट की दो कृतियाँ मिली हैं। उन्होंने बताया कि, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि, ये पैटिंग्स पूरी तरह से अज्ञात थीं और 19 वीं और 20 वीं सदी के, रैम्ब्रन्ट से संबंधित किसी भी साहित्य में इनका कहीं कोई जिक्र नहीं है। इस पैटिंग्स को संभवतया 200 साल पहले जनता ने देखा था। एक पैटिंग में प्लम्बर, जैन विल्स वैन डर प्लोयम और दूसरी में उसकी पत्नी जापेन कैरेल्स नजर आ रहे हैं। यह युगल डच शहर लायडन में रहता था। उनका रैम्ब्रन्ट से आजीवन रिश्ता रहा। उनके बेटे की शादी रैम्ब्रन्ट की चचेरी बहन से हुई थी और सम्झा जाता है कि, 'इस शादी से जन्मे पुत्र ने रैम्ब्रन्ट से कला की ट्रेनिंग ली थी। ये लोग रैम्ब्रन्ट के बेहद करीबी थे। इस परिवार ने ही 1824 में ये कलाकृतियाँ एक ब्रिटिश परिवार को बेची थीं, जिनके पास आज भी ये मौजूद हैं। इस ब्रिटिश परिवार को पता नहीं था कि पैटिंग्स के उनके संग्रह में ये दो दुर्लभ पैटिंग भी हैं। सन् 1635 की हस्ताक्षरित ये दोनों दुर्लभ कलाकृतियाँ 8 इंच लम्बी और साढ़े 6 इंच चौड़ी हैं। पैटिंगर ने कहा, 'मुझे लगता है कि रैम्ब्रन्ट द्वारा बनाए गए ये सबसे छोटे पैटिंग्स हैं'।

'अपवाद कानून नहीं हो सकता'

हाई कोर्ट ने गैर आर.ए.एस. को पदोन्नत कर आई.ए.एस. बनाने पर तीखी टिप्पणी की

-यादवेंद्र शर्मा-
जयपुर, 29 मई। राजस्थान हाई कोर्ट में गैर आर.ए.एस. (राजस्थान एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस) से सीधे "इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस" (आई.ए.एस.) अफसर के पद पर एक 'सब-कोटा' के माध्यम से पदोन्नत किए जाने की प्रथा के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने राज्य सरकार से इस प्रथा के संबंध में जवाब मांगा है और पिछले पाँच वर्ष के ऑकड़े भी मांगे हैं। एक्टिंग सी.जे.एम.एम. श्रीवास्तव व जस्टिस अनिल उपमन की खंडपीठ ने यह आदेश राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद व अन्य की याचिकाओं पर दिया। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता तनवीर अहमद अदालत में पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को बताया कि 'ऑल इंडिया सर्विस एक्ट' व उसका नियम-विविनयम के तहत 66.67 प्रतिशत आई.ए.एस. अफसर 'यू.पी.एस.सी.' परीक्षा के माध्यम से सीधे भर्ती किए जाते हैं। वहीं 33.33 प्रतिशत आई.ए.एस. पद राज्य के प्रशासनिक अफसरों की पदोन्नति से भरे

सी.बी.आई. ने ब्रिटिश एयरोस्पेस और रोल्स रॉयस कंपनी के खिलाफ एफ.आई.आर दर्ज की

नई दिल्ली, 29 मई। भारतीय वायुसेना और नौसेना के लिए हॉक 115 मॉडर्न जेट ट्रेनिंग विमान की खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप मामले में सी.बी.आई. ने अपना ऐक्शन तेज कर दिया है। जांच एजेंसी ने ब्रिटिश एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी रोल्स-रॉयस पी.एल.सी., इसकी इंडियन यूनिट के सीनियर अधिकारियों व शास्त्र विक्रेताओं के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की है।

एफ.आई.आर. के अनुसार, सी.बी.आई. ने मामले में 6 साल की जांच पूरी होने के बाद आईपीसी की धारा 120-ब (आपराधिक साजिश), 420 (धोखाधड़ी) और भ्रष्टाचार निरोधक कानून के प्रावधानों के तहत रोल्स-रॉयस इंडिया के निदेशक टिम जोन्स, हथियार आपूर्तिकर्ता सुधीर चौधरी और उनके बेटे भानु चौधरी व ब्रिटिश एयरोस्पेस सिस्टम्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अभी रोल्स रॉयस से इस पर प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है। अधिकारियों ने बताया कि, 2017 में एक ब्रिटिश अदालत ने भी समझौते को अंजाम देने के लिए कंपनी की ओर से बिचौलिये को शामिल करने और कमीशन का भुगतान करने का जिक्र किया था। यह आरोप है कि 2003-12 के दौरान साजिश में शामिल इन आरोपियों ने 73.42 करोड़ ब्रिटिश पाउंड की लागत से 24 हॉक 115 एजेटी की खरीद का प्लान बनाया। इसके लिए उन्होंने अज्ञात लोक सेवकों के साथ मिलकर अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया था। उन्होंने

कांग्रेस को 250 के आसपास सीटें देना चाहता है संयुक्त विपक्ष?

नई दिल्ली, 29 मई। ममता बनर्जी और नीतीश कुमार भाजपा के खिलाफ प्लान 475 तैयार कर रहे हैं। इस प्लान की सबसे प्रमुख बात यह है कि, वे चाहते हैं कि, लोकसभा की 543 सीटों में से कम से कम 475 सीटों पर भाजपा के खिलाफ विपक्ष से सिर्फ एक कैडिडेट लड़े। कैडिडेट कांग्रेस का हो या किसी और पार्टी का लेकिन लड़े कोई एक जिससे वोट ना बंटे और बीजेपी को आमने-सामने की लड़ाई में हराकर 2024 में लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव जीतने से रोका जा सके।

सूत्र बताते हैं कि, 475 सीटों पर एक कैडिडेट देने का वो फॉर्मूला जिस पर चर्चा होगी उसमें 2019 में जीती सीटों का सबसे अहम रोल है। बेसिक फॉर्मूला है कि 2019 में जिस पार्टी ने जो सीट जीती, वो उसकी। नंबर 2 पर रही पार्टी को प्राथमिकता देना फॉर्मूला का दूसरा स्टेज है। क्षेत्रीय दल इस फॉर्मूले पर कांग्रेस से सीट के बंटवारे पर सहमत बनाने की कोशिश करेंगे।

चर्चाओं के अनुसार सीट शेयरिंग का बेसिक फॉर्मूला है कि, 2019 में जिस पार्टी ने जो सीट जीती, वो उसकी, तथा नंबर-2 पर रही पार्टी को प्राथमिकता देना इस फॉर्मूला का दूसरा स्टेज है

नीतीश कुमार चाहते हैं कि, लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ 475 सीटों पर विपक्ष का केवल एक ही उम्मीदवार चुनाव लड़े।

लेकिन कांग्रेस को एक मुसीबत यह भी है कि सीधी लड़ाई में भाजपा कांग्रेस पर बहुत भारी है। अब पूरी कवायद विपक्षी इस बात पर टिकी है कि, कांग्रेस करीब 250 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो जाये। नीतीश कुमार और ममता बनर्जी ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ इसी फॉर्मूले पर मंथन के लिए आगामी 12 जून को पटना में सभी विपक्षी पार्टियों की मीटिंग बुलाई है।

2014 के लोकसभा चुनाव में 189 सीटों पर सीधी टक्कर में 166 बीजेपी जीती जबकि 2019 में 192 सीटों पर आमने-सामने के मुकाबला में 176 भाजपा जीती। 2019 के चुनाव में कांग्रेस 52 सीट जीती और 209 पर दूसरे नंबर पर रही। 2014 के चुनाव में कांग्रेस 44 सीट जीती थी और 224 सीटों पर दूसरे नंबर पर रही थी। जीत और रनर अप मिला दें तो कांग्रेस 2014 में 268 सीट और 2019 में 261 सीट पर जीती या आगे रही।

ममता और नीतीश के फॉर्मूले से कांग्रेस को लगभग 250 सीटें ही मिलती दिख रही हैं। बाकी सीटों पर पूर्ण में अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्वल ठाकरे, बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव, झारखंड में हेमंत सोरेन जैसे क्षेत्रीय अग्रणी-अपनी पार्टी को महत्व, नेतृत्व और ज्यादा सीटें चाहते हैं। मतलब ये कि जिन राज्यों में कांग्रेस कमजोर है वहां वो उस राज्य की ताकतवर पार्टी द्वारा दी गई सीटें लड़े।

‘दोनों नेताओं...’

(प्रथम पृष्ठ का शेष) पर, इसके तौर तरीकों व प्रक्रिया का ब्यौर तैयार करने का निर्णय नेतृत्व पर छोड़ दिया गया है। राहुल गांधी आज रात अमेरिका जा रहे हैं, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि क्या तुरंत कोई निर्णय लिया जा सकता है। इसलिए कांग्रेस नेतृत्व तेजी से काम कर रहा है और पायलट को राज्य व्यापी आंदोलन करने से रोकने की कोशिश कर रहा है क्योंकि यह नेतृत्व के लिए भारी शर्मिंदगी का सबब साबित हो रहा है।

12 जून को पटना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) साचिन पायलट को अपना आंदोलन वापस लेने के लिए कारण बताते होंगे। सूत्रों का कहना है कि दोनों नेताओं को एक साथ रखा जाए और संभावना है कि गोलती को मनुमानी करने की छूट नहीं मिले।

पेपर लीक...
(प्रथम पृष्ठ का शेष) सरकार ने ये आदेश दिए हैं। शिक्षा विभाग ने पिछले दिनों विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक की थी। इस बैठक में अनिल उर्फ शेर सिंह मीणा को भी प्रमोट किया गया था। अचंचे की बात है कि, शिक्षा विभाग ने बर्खास्त हो चुके कामिंक को कैसे पदोन्नति दी गई।

जब यह खबर प्रमुखता से चली कि, एक करोड़ रुपये में सीनियर टीचर भर्ती का पेपर बेचने वाले मास्टरमाइंड अनिल उर्फ शेर सिंह मीणा को शिक्षा निदेशालय ने वाइस प्रिंसिपल से प्रिंसिपल के पद पर प्रमोशन कर दिया था। ऐसे में उसकी ओर से दी गई सेवाओं को ग्रामीण क्षेत्र की सेवा के तौर पर नहीं गिना जा सकता। इसी आधार पर एकलपीठ ने भी पूर्व में उसकी याचिका को खारिज कर दिया था। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने माना कि, अपीलार्थी को बिना किसी गलती के पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने से वंचित किया गया है। ऐसे में उसे अगले सत्र के पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाए।

‘महिला चिकित्सक... न संसद की पुरानी बिल्डिंग रही...’

(प्रथम पृष्ठ का शेष) काम किया। अपील में कहा गया कि, गत वर्ष की नीट पीजी परीक्षा में उसे नियमानुसार बीस बीस अंक दिए जाने थे, लेकिन उसे इसका लाभ नहीं दिया गया। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार व अन्य की ओर से कहा गया कि, अपीलार्थी की मूल नियुक्ति शहरी क्षेत्र में थी और उसे कार्य व्यवस्था के लिए ग्रामीण क्षेत्र में लगाया गया था। जहां उसे ग्रामीण भत्ता भी नहीं दिया गया था। ऐसे में उसकी ओर से दी गई सेवाओं को ग्रामीण क्षेत्र की सेवा के तौर पर नहीं गिना जा सकता। इसी आधार पर एकलपीठ ने भी पूर्व में उसकी याचिका को खारिज कर दिया था। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने माना कि, अपीलार्थी को बिना किसी गलती के पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने से वंचित किया गया है। ऐसे में उसे अगले सत्र के पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाए।

मणिपुर में हिंसा और तेज हुई

हथियारबंद आतंकियों ने गाँवों में आम लोगों के घरों पर हमला किया, सुरक्षाबलों ने 25 हथियारबंद आतंकियों को गिरफ्तार किया है।

इम्फाल, 29 मई (वार्ता)। मणिपुर की राजधानी इम्फाल में सोमवार को लीमाखों सैन्य मुख्यालय के पास खुरखुल एवं अन्य मैतई गाँवों में हथियारबंद आतंकियों ने हमला किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आतंकियों के अत्याधुनिक हथियारों से लैस होने के कारण ग्रामीण आसपास के स्थानों की ओर भाग गए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज देर रात राज्य पहुंचने वाले हैं जिसके लिए वहां की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। सैनिकों ने हथियार रखने एवं घरों को जलाने की कोशिश करने के आरोप में 25 लोगों को भी गिरफ्तार किया। राज्य के सभी पांच जिलों में पूरे दिन कर्फ्यू में ढील नहीं दी गई और 3 मई से झड़पें शुरू होने के बाद से वहां इंटरनेट भी बंद है। मुख्यमंत्री एन बीरेन ने कहा कि यह संघर्ष अब सशस्त्र कुकी आतंकियों और सरकार के बीच है। इम्फाल पूर्व जिले में इसास राइफल और मैगजिन के साथ तीन लोगों को 5.56 एमएम की 60 गोली, गोला-बारूद, एक चीनी हथगोला और एक डेटोनेटर के साथ गिरफ्तार किया गया। एक अन्य घटना में सेना ने इम्फाल पूर्व में घरों को जलाने की कोशिश करने वाले 22 लोगों को गिरफ्तार किया, उनका घोर आलोचना की। डॉ. सिंह राजनेता तो हैं नहीं, तो वह यह सब सह नहीं पाए, उन्होंने तमाम आरोपों और आलोचना को बेहद गंभीरता और व्यक्तिगत स्तर पर ले लिया। जब हालात और भी बुरा रूप ले रहे थे तब उनकी मदद को आगे आए अटल बिहारी वाजपेयी, उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में डॉ. सिंह का बचाव किया। अनुभवों राजनेता वाजपेयी ने डॉ. सिंह को सलाह दी कि अपनी "चमड़ी थोड़ी मोटी" कर ले और किसी भी बात को निजी तौर पर न लें। उन्होंने कहा कि जहां तक उन्हें याद है

यह आरोप है कि, 2003-12 के दौरान साजिश में शामिल इन आरोपियों ने 73.42 करोड़ ब्रिटिश पाउंड की लागत से 24 हॉक 115 एजेटी की खरीद का प्लान बनाया। इसके लिए उन्होंने अज्ञात लोक सेवकों के साथ मिलकर अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया था।

इस बीच, मणिपुर के मुख्य सचिव डॉ. विनीत जोशी ने एक आदेश में कहा कि जिम्मेदार पदों पर बैठे हुए कई लोग मणिपुर के बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी साझा कर रहे हैं लेकिन उनमें से कई सूचनाएं गलत, फर्जी और झूठी अफवाहें पाई गई हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसी गलत सूचनाएं जनता को गुमराह करती हैं, हिंसा भड़कती है और हथियारों का उपयोग करने और राज्य के खिलाफ विद्रोह करके राज्य में वर्तमान स्थिति को खराब करने की क्षमता रखती है, जिससे मानवीय जीवन को नुकसान होता है, लोगों की जान जाती है और संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है।

दरगाह में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) सुपरविजन में सलुम्बर धानाधिकारी लीलधर मालवीय के नेतृत्व में गठित दल ने इस मामले में आरोपी गोविन्द पुत्र बालाजी, ललित पुत्र पेमराम, कैलाश पुत्र नाथुलाल, दर्याराम पुत्र शंकरलाल, मांगीलाल पुत्र हिराजी, बीराराम पुत्र मवाराम निवासियाण पातुखेडा, कुराबब लिला उदयपुर को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया है।

एर्द्गन फिर से तुर्किये के राष्ट्रपति चुने गये

नयी दिल्ली, 29 मई (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को तुर्किये के राष्ट्रपति रसेप तेयप एर्द्गन को फिर से चुनाव जीतने पर बधाई दी और कहा कि उन्हें विश्वास है कि द्विपक्षीय संबंध और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग बढ़ता रहेगा।

मोदी ने ट्वीट किया, तुर्किये के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने पर आर टी एर्द्गन को बधाई! मुझे विश्वास है कि आगामी समय में वैश्विक मुद्दों पर हमारे द्विपक्षीय संबंध और सहयोग बढ़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि ये चुनाव जीतने के बाद राष्ट्रपति एर्द्गन चुनाव जीतकर फिर से पांच साल के लिए सत्ता में आए। अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने रिविचर को रन-ऑफ में करीब पूरी गिनती में 52.16 प्रतिशत मत हासिल किया। उन्होंने कहा कि अपनी जीत के साथ, एर्द्गन ने अपने शासन को तीसरे दशक तक बढ़ा दिया।

उन्होंने कहा कि ये चुनाव जीतने के बाद राष्ट्रपति एर्द्गन चुनाव जीतकर फिर से पांच साल के लिए सत्ता में आए। अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने रिविचर को रन-ऑफ में करीब पूरी गिनती में 52.16 प्रतिशत मत हासिल किया। उन्होंने कहा कि अपनी जीत के साथ, एर्द्गन ने अपने शासन को तीसरे दशक तक बढ़ा दिया।

राष्ट्रदूत जालोर, 30 मई, 2023